मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

BSKC–104

बी. ए. (ऑनर्स) संस्कृत
(बी. ए. एस. के. एच.)
सत्रांत परीक्षा
जून, 2024
बी.एस.के.सी.-104 : गीता में आत्म-प्रबन्धन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।*

(ii) प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत **या** *हिन्दी* **या** *अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए।*

(iii) सभी प्रश्नों के उत्तर का माध्यम एक ही भाषा में हो।

---

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** की सन्दर्भ सहित व्याख्या कीजिए : 10×5=50

(क) मूढग्राहेणात्मनो यत्पीडया क्रियते तपः।
परस्योऽत्सादनार्थं वा तत्ताम समुदाहृतम्॥

(ख) मनः प्रसादः सौम्यत्वं मौनमात्मविनिग्रहः।
भावसंशुद्धिरित्येत्तपो मान समुच्यते॥

(ग) समः शत्रौ च मित्रे च तथा मानापमानयोः।
शीतोष्ण सुखदुःखेषु समः सङ्गविवर्जितः॥

(घ) यत्करोषि यदश्नासि यज्जुहोषि ददासि यत्।
यत्तपस्यसि कौन्तेय तत्कुरुष्वमदर्पणम्॥

(ङ) आवृतं ज्ञानमेतेन ज्ञानिनो नित्यवैरिणा।
कामरूपेण कौन्तेय दुरुपूरेणाम्लेन च॥

(च) यं लब्ध्वा चापरं लाभं मन्यते नाधिकं ततः।
यस्मिन्स्थितो न दुःखेन गुरुणापि विचाल्यते॥

(छ) यथा दीपो निवातस्थो नेङ्गते सोपमास्मृता।
योगिनो यतचित्तस्य युञ्जतो योगमात्मनः॥

2. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर विस्तारपूर्वक लिखिए : 3×10=30

(i) **तीन** प्रकार के गुण कौन-कौनसे हैं ? उनका जीवन पर क्या प्रभाव पड़ता है ?

(ii) गीता के धार्मिक महत्व पर प्रकाश डालिए।

(iii) निष्काम कर्मयोग के अभिप्राय को स्पष्ट करते हुए उसके फल का वर्णन कीजिए।

(iv) गीता की मुख्य शिक्षाओं पर विस्तारपूर्वक लिखिए।

(v) गीता का वास्तविक प्रयोजन क्या है ? स्पष्ट कीजिए।

(vi) गीता में आत्म-प्रबन्धन को स्पष्ट कीजिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** पर टिप्पणियाँ कीजिए : $4\times5=20$

(क) आत्मा का स्वरूप

(ख) इन्द्रियों का स्वभाव

(ग) मन का स्वरूप

(घ) स्थितप्रज्ञ का लक्षण

(ङ) स्थितधी की प्रशंसा

(च) पुरुषार्थ चतुष्टय